भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4571 का उत्तर

त्रिपुरा में रेल संपर्क

†4571. श्रीमती कृति देवी देबबर्मन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बाढ़ और भूस्खलन के कारण बार-बार होने वाली बाधाओं के मद्देनजर त्रिपुरा में अधिक लचीला और निर्बाध रेल संपर्क सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार बांग्लादेश के माध्यम से अगरतला और कोलकाता के बीच रेल संपर्क में सुधार के लिए वैकल्पिक व्यवस्था, विशेषरूप से अगरतला-अखौरा रेल लाइन परियोजना, पर अभी भी सक्रिय रूप से काम कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): रेल परियोजनाओं को क्षेत्रीय रेल-वार स्वीकृत किया जाता है, न कि क्षेत्र-वार अथवा राज्य-वार, क्योंकि भारतीय रेल की परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

त्रिपुरा पहले से ही भारतीय रेल के रेल नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। त्रिपुरा में रेल संपर्कता को बेहतर बनाने के लिए, त्रिपुरा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली शुरू की गई और पूर्ण की गई परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए)
1	अगरतला - सबरूम नई लाइन (112 कि.मी.)	3170
2	लामडिंग - बदरपुर - कुमारघाट आमान परिवर्तन (244 कि.मी.)	6500

त्रिपुरा राज्य में अतिरिक्त रेल अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए चंद्रनाथपुर - अगरतला दोहरीकरण (244 कि.मी.) के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण भी स्वीकृत कर दिया गया है और सर्वेक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। चूंकि, परियोजनाओं को स्वीकृति देना सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए, सटीक समय-सीमा तय नहीं की जा सकती।

कोलकाता और अगरतला पहले ही न्यू फरक्का, न्यू जलपाईगुड़ी, गुवाहाटी और लामडिंग के रास्ते मौजूदा रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।

भारत और बांग्लादेश के बीच अतिरिक्त संपर्कता प्रदान करने और दोनों देशों के बीच व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए, अगरतला-अखौरा (12 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना की अनुमानित लागत (भारतीय भाग) 973 करोड़ रुपए है। परियोजना के भारतीय भाग का संरेखण अगरतला रेलवे स्टेशन से निश्चिंतपुर यार्ड (5.46 किलोमीटर) तक है, जिसे कमीशन कर दिया गया है। बांग्लादेश में रेलपथ के उन्नयन के बाद बांग्लादेश के रास्ते त्रिपुरा तक आगे संपर्कता में सुधार हो सकता है।

रेल परियोजना/ओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जैसे राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन स्वीकृति, अतिलंघी साधनों का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृति, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और

स्थलाकृतिक स्थितियां, परियोजना/ओं के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, विशेष परियोजना स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य महीनों की संख्या आदि। ये सभी कारक परियोजना के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****